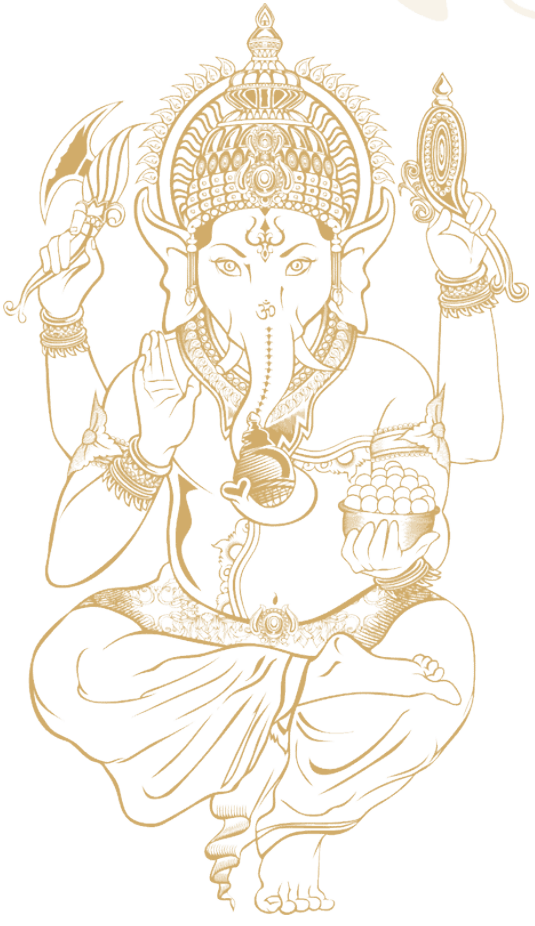

Aarti

19 May 1999

04:00 AM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121329002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/05/1999**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:26:38 घटी
स्थान	**Saharanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:40:12 घंटे
वेलान्तर	00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल	19:24:51 घंटे
सूर्योदय	05:25:20 घंटे
सूर्यास्त	19:07:28 घंटे
दिनमान	13:42:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:41:35 वृष
लग्न के अंश	06:10:52 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	बव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:10:52	485:19:36	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			वृष	03:41:35	00:57:48	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	21:55:13	14:24:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		तुला	02:23:08	00:13:04	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
बुध		अ	मेष	25:34:17	02:04:54	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			मीन	28:23:18	00:13:06	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	17:25:59	01:04:58	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	मेष	15:37:30	00:07:26	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		कर्क	22:28:01	00:03:55	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	22:28:01	00:03:55	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:56:42	00:00:09	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	10:29:07	00:00:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:36:43	00:01:35	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	25:45:08	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:41

लग्न-चलित

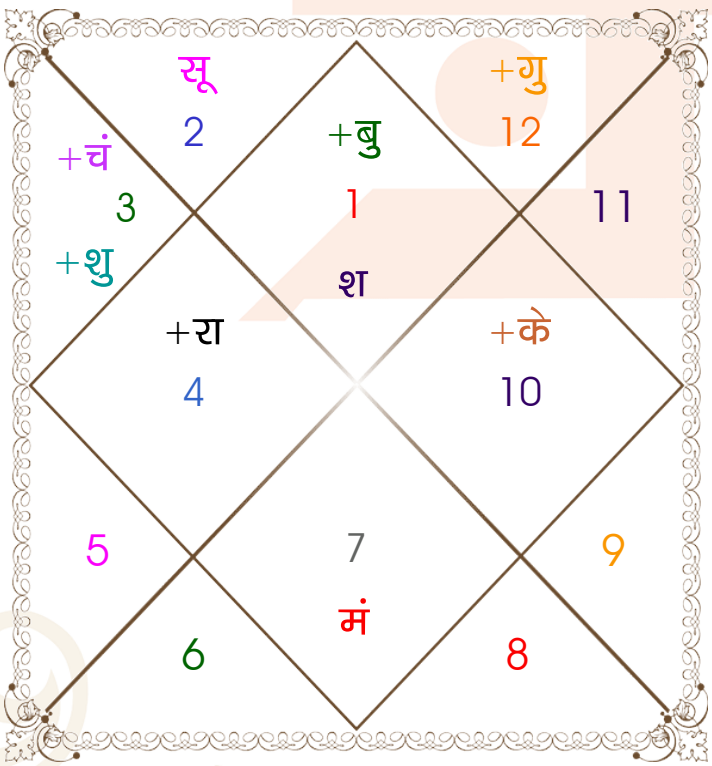

चन्द्र कुंडली

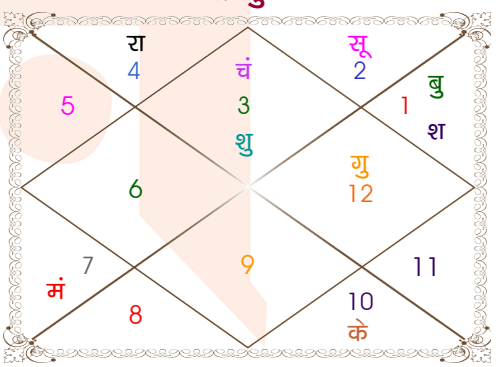

नवमांश कुंडली

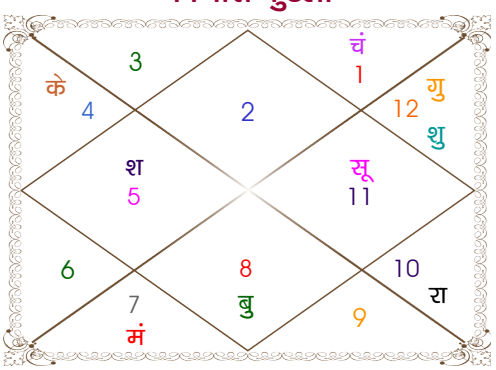

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 8 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/05/1999		27/01/2013		28/01/2032		27/01/2049		28/01/2056	
27/01/2013		28/01/2032		27/01/2049		28/01/2056		28/01/2076	
	19/05/1999	शनि	31/01/2016	बुध	25/06/2034	केतु	25/06/2049	शुक्र	29/05/2059
शनि	27/09/2001	बुध	10/10/2018	केतु	23/06/2035	शुक्र	25/08/2050	सूर्य	28/05/2060
बुध	03/01/2004	केतु	19/11/2019	शुक्र	22/04/2038	सूर्य	31/12/2050	चंद्र	27/01/2062
केतु	09/12/2004	शुक्र	18/01/2023	सूर्य	27/02/2039	चंद्र	01/08/2051	मंगल	29/03/2063
शुक्र	10/08/2007	सूर्य	31/12/2023	चंद्र	28/07/2040	मंगल	28/12/2051	राहु	29/03/2066
सूर्य	28/05/2008	चंद्र	01/08/2025	मंगल	26/07/2041	राहु	15/01/2053	गुरु	27/11/2068
चंद्र	27/09/2009	मंगल	09/09/2026	राहु	12/02/2044	गुरु	22/12/2053	शनि	28/01/2072
मंगल	03/09/2010	राहु	16/07/2029	गुरु	20/05/2046	शनि	30/01/2055	बुध	28/11/2074
राहु	27/01/2013	गुरु	28/01/2032	शनि	27/01/2049	बुध	28/01/2056	केतु	28/01/2076

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/01/2076		27/01/2082		28/01/2092		27/01/2099		28/01/2117	
27/01/2082		28/01/2092		27/01/2099		28/01/2117		00/00/0000	
सूर्य	16/05/2076	चंद्र	28/11/2082	मंगल	25/06/2092	राहु	11/10/2101	गुरु	18/03/2119
चंद्र	15/11/2076	मंगल	29/06/2083	राहु	13/07/2093	गुरु	05/03/2104	शनि	20/05/2119
मंगल	23/03/2077	राहु	28/12/2084	गुरु	19/06/2094	शनि	10/01/2107		00/00/0000
राहु	14/02/2078	गुरु	29/04/2086	शनि	29/07/2095	बुध	30/07/2109		00/00/0000
गुरु	04/12/2078	शनि	28/11/2087	बुध	25/07/2096	केतु	17/08/2110		00/00/0000
शनि	16/11/2079	बुध	28/04/2089	केतु	21/12/2096	शुक्र	17/08/2113		00/00/0000
बुध	21/09/2080	केतु	27/11/2089	शुक्र	21/02/2098	सूर्य	12/07/2114		00/00/0000
केतु	27/01/2081	शुक्र	29/07/2091	सूर्य	28/06/2098	चंद्र	10/01/2116		00/00/0000
शुक्र	27/01/2082	सूर्य	28/01/2092	चंद्र	27/01/2099	मंगल	28/01/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 8 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।